BMU
बमतो मा ज्योतिर्गमय

BHAGWAN
MAHAVIR
UNIVERSITY

भगवान महावीर विश्वविद्यालय के
दूसरे दीक्षांत
समारोह की रिपोर्ट:

www.bmusurat.ac.in

Instagram_Account

Facebook_ Account

/bhagwanmahaviruniversity

भगवान महावीर विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह की रिपोर्ट:

भगवान महावीर विश्वविद्यालय, सूरत को 2019 में इसके मूल संगठन बीएमईएफ के साथ स्थापित किया गया है। बीएमईएफ 2002 से कार्यरत है और 24 प्रसिद्ध उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ 20 वर्षों का अमूल्य अनुभव रखता है। यह कैंपस सुरत के प्रमुख स्थान पर स्थित एक आधुनिक विस्तार में स्थापित है। इस देश के नागरिकों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से 150 + अधिक शैक्षणिक कार्यक्रम तैयार किए गए हैं, जो ज्ञान और कौशल के सबसे महत्वपूर्ण नवागंतित क्षेत्रों को कवर करते हैं, जैसे कि इंजीनियरिंग, प्रबंधन, वास्तुकला, फार्मेसी, विज्ञान, शिक्षा, होटल प्रबंधन, कानून और नर्सिंग। इसके लिए 750 से अधिक योग्य शिक्षकों और 200 से अधिक सहायक कर्मचारियों द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। वर्षों से बीएमईएफ समूह के कॉलेज से भगवान महावीर विश्वविद्यालय तक, इसके छात्र संख्या 14,000 से अधिक तक बढ़ गई है।

भगवान महावीर विश्वविद्यालय (बीएमयू) ने 27/4/ 23 को अपने दूसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इस समारोह के दौरान, युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की पवित्र मौजूदगी में, बीएमयू के 861 स्नातक छात्रों ने अपने विभिन्न शिक्षान्तरों में अपनी डिग्री और डिप्लोमा प्राप्त की । इस महापर्व को आयोजित करने का उद्देश्य, छात्रों की मेहनत, संघर्ष और समर्पण को मान्यता देना था और उन्हें उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करना था।

दीक्षांत समारोह की शुरुआत एक शानदार एकेडेमिक प्रदेशिका के साथ हुई, जहां NCC कैडेट्स और यूनिवर्सिटी बैंड भी शामिल थे। उसके बाद, बीएमआईएस विद्यालय और बीएमयू विश्वविद्यालय के छात्रों ने जीवनविज्ञान के गानों पर सुंदर नृत्य प्रदर्शन किया, जिससे सभी उपस्थित प्रेक्षक गण में आनंद और आदर्शों की भावना उमड़ आई। बीएमयू के कुलपति, डॉ. निर्मल शर्मा द्वारा स्वागत भाषण और विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उन्होंने छात्रों को बधाई दी और उनसे अपने ज्ञान और कौशल का समाज के उन्नति के लिए उपयोग करने की अपील की।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के समारोह में उपस्थित होने से छात्रों को बहुत गर्व महसूस हुआ। उनके मुख्य आशीर्वाद के साथ बीएमयू के 10,000 से अधिक छात्रों ने नशा मुक्ति के लिए संकल्प लिया, जिसने इस यादगार अवसर को और भी प्रभावशाली बना दिया। समारोह के दौरान, आचार्य महाश्रमणजी ने शिक्षार्थियों को अपने ज्ञान का संग्रह करने की प्रेरणा दी, उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए साहस करने की सलाह दी और तेजी से बदलते दुनिया में निरंतर सीखने और अनुकूलता की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह के दौरान, गुजरात के माननीय शिक्षा मंत्री, श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने छात्रों को स्वर्ण और चांदी के पदक प्रदान किए। इस साल 861 स्नातकों ने विभिन्न शिक्षा क्षेत्रों में अपनी डिग्रियों को प्राप्त किया, जिनमें, बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान, फार्मेसी, कंप्यूटर एप्लीकेशन, वाणिज्य और प्रबंधन, बीएड और एमएड, व्यायाम शिक्षा शामिल थी। इसके अलावा, संविधान समारोह में श्री पर्वेश खन्ना, वरिष्ठ अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय, भारत को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने अपने भाषण में छात्रों को एक सफल जीवन की ओर उत्साहित किया और उन्हें देशभक्ति के महत्वपूर्ण संदेश दिए। उन्होंने छात्रों को समझाया कि एक सफल जीवन का अर्थ उनके लक्ष्यों की प्राप्ति, अपने कौशलों का प्रयोग, निष्ठापूर्वक परिश्रम, और समाज सेवा में योगदान करना है। उन्होंने कहा, "आपकी सफलता आपके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में नहीं, बल्कि देश की उन्नति और समृद्धि में होनी चाहिए। आपका ज्ञान और कौशल देश के लिए महत्वपूर्ण संसाधन हैं, जिसे आपको समाज की सेवा में उपयोग करना चाहिए। आपको अपने देश से प्रेम और समर्पण बनाए रखना चाहिए और अपने करियर में उच्चतम मानकों का पालन करके देश को गर्व कराना चाहिए। अपनी सफलता के साथ-साथ देश की उन्नति के लिए अवसर बनाएं और योगदान करें। "

बीएमयू के छात्रों ने युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से बहुत गर्व महसूस किया। मुनिजी ने छात्रों को जीवन, शिक्षा और ज्ञान के महत्व के बारे में विचार करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें यह समझाया कि जीवन और ज्ञान के माध्यम से हम अपने स्वयं का विकास कर सकते हैं और समृद्ध और खुशहाल जीवन की प्राप्ति कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "प्रिय छात्रों, सफलता जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करें और संकल्पबद्धता से काम करें। अपने आप को सीमित न करें, बल्कि सीमाओं को तोड़ें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए बड़े सपने देखें। धैर्य रखें और कठिनाइयों का सामना करें, क्योंकि जीवन के रास्ते पर बहुत सारी चुनौतियाँ होंगी। आपका सफल होना अपने आप पर विश्वास करने और संकल्पबद्ध रहने पर निर्भर करेगा। स्नातकों, मैं आप सभी को आशीर्वाद देता हूँ कि आप सफलता की ऊंचाइयों को छू जाएं और जीवन में खुशहाली प्राप्त करें।" इस यादगार अवसर पर बीएमयू के 10,000 से अधिक छात्रों ने नशा मुक्ति के लिए संकल्प लिया।

बीएमयू के रजिस्ट्रार, डॉ. विजय मातावाला ने धन्यवाद की भाषण प्रस्तुत की। समारोह राष्ट्रीय गान के साथ समाप्त हुआ।

दीक्षांत समारोह की तस्वीरें:

BHAGWAN MAHAVIR UNIVERSITY

R.N.I. REGD NO.GUJHIN/2012/47584

अतुल्य हिन्दुस्तान

संपादक : रजनीश एस.सिंह | वर्ष : 11 | अंक : 216 | www.atulyahindustan.com | सूरत, शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 1

विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान और सफलता को समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए उपयोगी बनाएं : प्रफुलभाई पंसेरिया

भगवान महावीर विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह वेसु में शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल पंशेरिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया

अतुल्य हिन्दुस्तान
संवाददाता

सूरत। वेसु स्थित भगवान महावीर विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुलभाई पंशेरिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें 10 विषयों के 861 छात्रों को बैचलर ऑफ साइंस, बैचलर ऑफ फार्मेसी, बैचलर ऑफ एजुकेशन, मास्टर ऑफ एजुकेशन, बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर ऑफ लॉ, फिजिकल एजुकेशन, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, कम्प्यूटर एप्लीकेशन मास्टर डिग्री प्रदान की गई जिसमें से 14 छात्रों को गोल्ड और 14 छात्रों को सिल्वर मेडल दिया गया। इस अवसर पर दीक्षांत भाषण में मंत्री ने कहा कि आज दीक्षांत समारोह में छात्र डिग्री प्राप्त कर सार्वजनिक जीवन में कदम रखने जा रहे हैं, युवावस्था में की गई उत्तम तपस्या और परिश्रम से हम जीवन में आगे बढ़ें। उन्होंने विद्यार्थियों से देश व समाज के हित में ईमानदारी से योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर आचार्य श्री महाश्रमणजी ने

विद्यार्थियों को जीवन की सीख और ज्ञान पर व्याख्यान दिया। गौरतलब है कि आचार्यश्री महाश्रमणजी ने हजारों किलोमीटर की यात्रा कर लोगों को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया है, जिन्होंने ध्यान, योग और अन्य प्रशिक्षण देकर उनके दोषों को दूर किया।

इस अवसर पर भगवान महावीर एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री जगदीश जैन, ट्रस्टी श्री अनिल जैन, अध्यक्ष डॉ. संजय जैन, रजिस्ट्रार डॉ. विजय मटवाला, शासी निकाय के सदस्य, ट्रस्टी, प्रोफेसर, स्नातक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

भगवान महावीर विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह वेसू में शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्ल पंशेरिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ

सूरत।

शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पंशेरिया की अध्यक्षता में वेसू स्थित भगवान महावीर विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। जिसमें 10 विषयों के 861 छात्रों को बैचलर ऑफ साइंस, बैचलर ऑफ फार्मेसी, बैचलर ऑफ एजुकेशन, मास्टर ऑफ एजुकेशन, बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर ऑफ लॉ, फिजिकल एजुकेशन, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर डिग्री प्रदान की गई। जिसमें से 14 छात्रों को गोल्ड और 14 छात्रों को सिल्वर मेडल दिया गया।

इस अवसर पर दीक्षांत भाषण में मंत्री ने कहा कि आज दीक्षांत समारोह में छात्र डिग्री प्राप्त कर सार्वजनिक जीवन में कदम रखने जा रहे हैं, युवावस्था में की गई उत्तम तपस्या और परिश्रम से हम जीवन में आगे बढ़ें जीवन की। उन्होंने विद्यार्थियों से देश व समाज के हित में ईमानदारी व ईमानदारी से योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने युवा छात्रों का आव्हान किया कि वे आजीवन छात्र बनें और कॉलेज-विश्वविद्यालय के माध्यम से प्राप्त ज्ञान का उपयोग न केवल आत्म-सुधार के लिए बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिए भी करें।

इस अवसर पर आचार्य श्री महाश्रमणजी ने विद्यार्थियों को जीवन की सीख और ज्ञान पर व्याख्यान दिया। गौरतलब है कि आचार्यश्री महाश्रमणजी ने हजारों किलोमीटर की यात्रा कर लोगों को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया है, जिन्होंने ध्यान, योग और अन्य प्रशिक्षण देकर उनके दोषों को दूर किया।

इस अवसर पर भगवान महावीर एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री जगदीश जैन, ट्रस्टी श्री अनिल जैन, अध्यक्ष डॉ. संजय जैन, रजिस्ट्रार डॉ. विजय मटवाला, शासी निकाय के सदस्य, ट्रस्टी, प्रोफेसर, स्नातक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।